सं.16015/1/2022-पीएमआई
भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग
*****

शास्त्री भवन, नई दिल्ली
दिनांक: 17 अक्टूबर, 2022

कार्यालय ज्ञापन

विषय: मंत्रिमंडल के लिए माह सितम्बर, 2022 के मासिक सार के संबंध में।

अधोहस्ताक्षरी को माह सितम्बर, 2022 के संबंध में उर्वरक विभाग का मासिक सार एतदद्वारा सूचनार्थ परिचालित करने का निदेश हुआ है।

इसे सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से जारी किया जाता है।

(अनिल फुलवारी)
निदेशक (पीएमआई)
दूरभाष: 011-23389839

सेवा में

1. मंत्रिपरिषद के सभी सदस्य

प्रतिलिपि:

1. भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों के सचिव
2. निदेशक, मंत्रिमंडल सचिवालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली-110004
3. सचिव (उर्वरक) के वरिष्ठ प्रधान निजी सचिव
4. अनुभाग अधिकारी (आईटी) को इसे उर्वरक विभाग की वेबसाइट पर अपलोड करने के लिए।

विषय: माह सितम्बर, 2022 के संबंध में उर्वरक विभाग का मासिक सार।

1. माह के दौरान समग्र उत्पादन निष्पादन:

(आंकड़े 'लाख मी.टन' में)

उत्पाद का नाम	माह के दौरान उत्पादन	इस माह तक संचयी उत्पादन
यूरिया	23.13	139.32
डीएपी	2.94	20.00
अमोनियम सल्फेट (ए/एस)	0.62	3.68
मिश्रित उर्वरक	8.94	45.47
सिंगल सुपर फॉस्फेट	5.40	28.72

स्रोत: dbtfert.nic.in 06.10.2022 की स्थिति के अनुसार

2. माह के दौरान उर्वरकों की आकलित आवश्यकता, उपलब्धता और बिक्री:

(आंकड़े 'लाख मी.टन' में)

उत्पाद का नाम	आकलित आवश्यकता	उपलब्धता	बिक्री
यूरिया	23.67	74.95	27.59
डीएपी	8.26	25.32	11.15
एमओपी	3.34	7.15	1.68
मिश्रित	10.14	35.42	11.85

आंकड़ों का स्रोत डैशबोर्ड है

3. माह के दौरान आयातित तैयार उर्वरकों का ब्यौरा:

उत्पाद का नाम	मात्रा 'लाख मी.टन' में
यूरिया	4.80
कृषि उपयोग हेतु एमओपी	1.71
डीएपी	8.55
एनपीके	1.48

4. तलचर और एचयूआरएल (गोरखपुर, सिंदरी तथा बरौनी) उर्वरक परियोजनाओं की सितम्बर, 2022 के दौरान वृद्धिशील प्रगति।

(क) तलचर यूनिट का पुनरुद्धार:

मंत्रिमंडल ने दिनांक 04.08.2011 को आयोजित अपनी बैठक में नामित पीएसयूज के संयुक्त उद्यम का गठन करके 1.27 एमएमटीपीए क्षमता वाले गैस आधारित उर्वरक संयंत्रों की स्थापना द्वारा नामांकन आधार के माध्यम से एफसीआईएल की तलचर यूनिट के पुनरूद्धार को अनुमोदन प्रदान किया था। तदनुसार, तलचर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (टीएफएल) के रूप में एक संयुक्त उद्यम कंपनी निगमित की गई थी। टीएफएल में गेल, आरसीएफ और सीआईएल प्रत्येक की साम्या (इक्विटी) 31.85% और एफसीआईएल की 4.45% है। टीएफएल संयंत्र कोयला गैसीकरण प्रौद्योगिकी पर आधारित है। उर्वरक विभाग द्वारा सचिव (उर्वरक) की अध्यक्षता में आयोजित मासिक समीक्षा बैठकों के माध्यम से परियोजना कार्यकलापों की गहन निगरानी की जाती है।

i. **वृद्धिशील प्रगति**:

टीएफएल परियोजना की समग्र प्रगति निम्नानुसार है:-

क)	अगस्त, 2022 तक परियोजना की समग्र प्रगति	30.92 %
ख)	सितम्बर, 2022 के दौरान वृद्धिशील प्रगति	1.53 %
ग)	सितम्बर, 2022 तक समग्र प्रगति	32.45%

(ख) गोरखपुर, सिंदरी और बरौनी यूनिटों का पुनरुद्धार:

मंत्रिमंडल ने दिनांक 13.07.2016 को आयोजित अपनी बैठक में एफसीआईएल की गोरखपुर और सिंदरी यूनिटों तथा एचएफसीएल की बरौनी यूनिट का पुनरुद्धार नामित पीएसयूज के संयुक्त उद्यम का गठन करके नामांकन आधार के माध्यम से किए जाने को अनुमोदन प्रदान किया था। तदनुसार, हिंदुस्तान उर्वरक एंड रसायन लिमिटेड (एचयूआरएल) के रूप में एक संयुक्त उद्यम कंपनी निगमित की गई थी। एनटीपीसी, आईओसीएल और सीआईएल प्रत्येक की साम्या (इक्विटी) 29.67% है जबकि एफसीआईएल के मामले में यह 10.99% है। एचयूआरएल गोरखपुर, सिंदरी और बरौनी में 1.27 एमएमटीपीए प्रत्येक की क्षमता वाली तीन गैस आधारित यूरिया विनिर्माण यूनिटों की स्थापना कर रहा है। उर्वरक विभाग द्वारा सचिव (उर्वरक) की अध्यक्षता में आयोजित मासिक समीक्षा बैठकों के माध्यम से परियोजना कार्यकलापों की गहन निगरानी की जाती है।

i. **वृद्धिशील प्रगति**:

गोरखपुर परियोजना

गोरखपुर संयंत्र 7 दिसंबर, 2021 को शुरू हो गया।

बरौनी परियोजना

क)	अगस्त, 2022 तक परियोजना की समग्र प्रगति	97.06 %
ख)	सितम्बर, 2022 के दौरान वृद्धिशील प्रगति	0.13%
ग)	सितम्बर, 2022 तक परियोजना की समग्र प्रगति	97.19%

<u>सिंदरी परियोजना</u>

क) अगस्त, 2022 तक परियोजना की समग्र प्रगति	96.74%
ख) सितम्बर, 2022 के दौरान वृद्धिशील प्रगति	0.27%
ग) सितम्बर, 2022 तक परियोजना की समग्र प्रगति	97.01%

5. व्यय की स्थिति:

वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 109186.78 करोड़ रुपये के उपलब्ध बजट (बजट अनुमान) की तुलना में सितम्बर, 2022 के दौरान उर्वरक राजसहायता के प्रशासन पर 20764.03 करोड़ रुपये (यूरिया: 7416.8 करोड़ रुपये, पीएंडके: 13347.23 करोड़ रुपये) का व्यय हुआ। अप्रैल 2022 से सितम्बर 2022 तक 82204.74 करोड़ रुपये (यूरिया: 55198.18 करोड़ रुपये, पीएंडके उर्वरक: 27006.56 करोड़ रुपये) अर्थात कुल आवंटन के 75.29 % का क्रमिक व्यय हुआ।

****